ओवेरियन फाइब्रोमा/फाइब्रोथेकोमा (Ovarian Fibroma/Fibrothecoma)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

यह पत्रक आपको यह समझने में मदद करने के लिए है कि ओवेरियन फाइब्रोमा / फाइब्रोथेकोमा क्या है, यह कैसे होता है, आपको किन जाँचों की आवश्यकता है और इस बीमारी का पता लगता है तो आपपे इसका क्या दीर्घकालिक प्रभाव होता हैं।

ओवेरियन फाइब्रोमा/फाइब्रोथेकोमा क्या है?

ओवेरियन फाइब्रोमा/फाइब्रोथेकोमा सौम्य ठोस ट्यूमर है जो अंडाशय के स्ट्रोमल टिश्यू (अंडाशय का 'कंकाल') से उत्पन्न होता है। यह सभी प्राथमिक डिम्बग्रंथि ट्यूमर का लगभग 6% हिस्सा हैं, और इस बीमारी का पता लगने की औसत आयु 48 वर्ष है। आमतौर पर ओवेरियन फाइब्रोमस इस उम्र के आसपास होते हैं, पर जब यह गोरलिन, मफुची और सोतोस जैसे दुर्लभ आनुवंशिक सिंड्रोम से जुड़े होते हैं तब यह युवा रोगियों में भी हो सकता है।

इसका आकार कुछ मिमी से 20-30 सेमी तक होता है।

क्या इसका कोई लक्षण हैं?

आमतौर पर ओवेरियन फाइब्रोमा/फाइब्रोथेकोमा वाले रोगियों में कोई लक्षण नहीं होता है, और इस स्थिति का पता नियमित स्त्री रोग संबंधी परीक्षाओं के दौरान आकस्मिक रूप से होता है। दुर्लभ उदाहरणों में, ओवेरियन फाइब्रोमस मिग्स सिंड्रोम के साथ हो सकता है, इस स्थिति में ओवेरियन फाइब्रोमा, पेट और फेफड़े में पानी हो जाता है । ऐसे मामलों में, रोगियों को पेट में गड़बड़ी, सूजन और सांस की तकलीफ जैसे लक्षणों का अनुभव हो सकता है।

इसका निदान कैसे किया जाता है?

ओवेरियन फाइब्रोमा और फाइब्रोथेकोमा का निदान आमतौर पर नियमित स्त्री रोग संबंधी परीक्षाओं के दौरान आकस्मिक रूप से होता है। निदान के लिए इमेजिंग विधि ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासाउंड है, यदि ट्यूमर बड़ा है तो इसके साथ ट्रांसएब्डोमिनल अल्ट्रासाउंड किया जाता है और यदि अल्ट्रासाउंड परीक्षक विशेषज्ञ है तो आगे कोई और जाँचों की आवश्यकता नहीं है। कुछ मामलों में, आपकी स्त्री रोग विशेषज्ञ अतिरिक्त जाँचे करवा सकती हैं , जिसमें सीरम सीए 125 जैसी खून की जाँच, साथ ही सीटी स्कैन या एमआरआई जैसे इमेजिंग अध्ययन शामिल हैं। वैकल्पिक रूप से, वे आपको एक विशेषज्ञ की दूसरी राय लेने के लिए सलाह दे सकते हैं।

इस स्थिति का इलाज क्या है**?**

यदि निदान स्पष्ट है, तो आपके डॉक्टर द्वारा निर्धारित समय पर नियमित अल्ट्रासाउंड से उपचार संभव है। हालांकि, यदि निदान अनिश्चित है - विशेष रूप से उन मामलों में जहां फाइब्रोमास मिग्स सिंड्रोम के साथ मौजूद है, यदि ट्यूमर बड़ा है, या यदि रोगी को ट्यूमर से लक्षण उत्पन्न हो रहा हो उन स्तिथियों में सर्जरी की जाती है। ऐसे मामलों में, डॉक्टर आपकी उम्र, बच्चे पैदा करने की इच्छा और ट्यूमर की विशेषताओं के आधार पर आपके साथ चर्चा करेगा कि आपको किस तरह की सर्जरी करानी चाहिए।

रोग का प्रोग्नोसिस क्या है**?**

जैसा कि ट्यूमर सौम्य है, इसका प्रोग्नोसिस अच्छा है और बीमारी की फिर से होने की संभावना कम है। मिग्स सिंड्रोम आमतौर पर ट्यूमर को सर्जिकल हटाने के बाद खत्म हो जाता है। उपचार के बाद, रोगी को नियमित स्त्री रोग संबंधी जाँचों को फिर से शुरू करने की सलाह दी जाती है।

मुझे और क्या प्रश्न पूछने चाहिए?

- मेरी हालत के लिए उपचार क्या है? क्या सर्जरी जरूरी है?
- क्या मुझे उपचार के बाद और जाँचों की आवश्यकता है?
- सर्जरी के बाद क्या मुझे किस फॉलो-अप की आवश्यकता होगी?

Last updated 2024